दैनिक जागरण 09/04/2025

बदलते विश्व में परामर्श की आवश्यकता पर दिया जोर

जागरण संवाददाता • अंबाला : गांधी मेमोरियल नेशनल (जीएमएन) के मनोविज्ञान विभाग, मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र और मानसिक स्वास्थ्य क्लब द्वारा 'परामर्श की आवश्यकता और नैतिकता की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें 23 छात्रों ने भाग लिया था और मनोविज्ञान विभाग के लैब अटेंडेंट अनिल भी मौजूद रहे।

मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अनुपमा सिहाग ने आज के तेजी से बदलते विश्व में परामर्श की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां व्यक्ति विभिन्न चुनौतियों और तनावों का सामना करते हैं। उन्होंने चिंता, अवसाद और संबंधों की समस्याओं जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए परामर्श सेवाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। मानसिक स्वास्थ्य पर सामाजिक कलंक यह स्टिग्मा एक बड़ा मुद्दा है, जो लोगों को अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से रोकता है। यह कलंक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को कम कर सकता है और लोगों को अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बात करने से रोक सकता है। डा. सिहाग ने परामर्श में नैतिकता की भूमिका पर भी चर्चा की, जिसमें उन्होंने गोपनीयता, सहानुभूति और गैर-निर्णयात्मक रवैये के महत्व पर जोर दिया। परामर्श और नैतिकता से संबंधित प्रश्न पूछने का अवसर मिला। प्रिंसिपल डा. रोहित दत्त ने मनोविज्ञान विभाग, मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र और मानसिक स्वास्थ्य क्लब के प्रयासों की सराहना की।

जीएमएन कालेज में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करतीं वक्ता। • सौजन्य विज्ञप्ति